सोशालिस्ट पार्टी इंडिया,

कॅम्प ऑफिस – आसू जि. उस्मानाबाद.

पिन. – ४१३५०२.

साथीयो,

कोरोना का कहर बहूत सता रहा है. इस दुसरे दौर में युवा तथा बालक को बडे पैमाने पर बाधा हो रही है. बालको के लिए वैस्कीन बना है या नही ठीक से पता नही चलता. पहले दौर मे जो झटके लगे उनसे सबक सीखकर केंद्र सरकार को चाहिए था की अस्पतालो में पर्याप्त संख्या मे बेड उपलब्ध रहे, ऑक्सिजन तथा वेंटिलेटर की आपूर्ती जरूरत के अनुसार हो पायेगी ऐसा प्रबंध करे. केंद्र सरकार ने बडी लापरवाही दिखाई. टिकाकरण कार्यक्रम की घोषणाए ढोल बजाकर की गयी लेकिन अपनी बडी जनसंख्या को ध्यान मे रखकर ठिका उतनी मात्रा मे उपलब्ध कर देना का प्रबंध केंद्र सरकारको करना चाहिए था. अपनी ये जिम्मेदारिया निभाने मे मोदी सरकार पूरी तरह असफल रही. केवल विपक्ष ही नही, कई भाजपायी विधायक तथा सांसद अपनी नाराजगी प्रकट कर रहे है.

भाजप का अडियलपन

पश्चिम बंगाल मे अपना झंडा गाडने का भूत मोदी अमित शहा के मन सर पर सवार हो गया था. शहा ने बिना मास्क लगाये बडे बडे रोड शो किए. महामारी का खतरा बढ रहा है. यह देखकर अंतिम चार चरण का मतदान एक साथ करवाया जाय ऐसा सुझाव मा. ममताजीने दिया था. लेकिन वह भी मोदी –शहाने ठुकरा दिया था. उत्तरप्रदेश मे भी पंचायत चुनाव रोक दिये जाय. यह सुझाव योगी आदित्यनाथ ने नामंजुर किया था. परिणामत: महामारी ज्यादा फैल गई.

जनआंदोलन

केंद्र सरकार के निकम्मेपन पर लोगो मे गुस्सा है. जनता कि महत्वपूर्ण मागों को प्रधानता देकर केंद्र सरकार उचित कदम उठाये इस मांग को लेकर दि. १ मई मजदूर दिवसपर बारह घंटे की भूकहरताल का कार्यक्रम प्रगतशील पार्टी–संघटनोंने तय किया था. महाराष्ट्र के अध्यक्ष हसनभाई देसाई ने बडी मेहनत लेकर दूर–दराज के साथीयोंसे संपर्क किया था. तीस से अधिक स्थानोंपर सोशलिस्ट पार्टी के कार्यकर्ताओंने भुकहरताल का कार्यक्रम कीया. अन्य राज्योमें भी हुआ होगा, लेकिन उनकी रिपोर्ट साथीयोंने भेजी नही.

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव मे सोशलिस्ट पार्टी के सात प्रत्याशी मैदान मे उतरे थे. अपने उपाध्यक्ष संदीप पांडेजीने उन्हें मार्गदर्शन किया तथा सहायता पहुंचायी.

उत्तर प्रदेश मे पंचायत मुखीया चुनाव मे दो स्थानों पर सोशलिस्ट पार्टी के कार्यकर्ताओंको सफलता मिली. आप सबकी तरफसे मै उन्हे बधाई देता हूं. केरल में मजदुर नेता थंपन थॉमस सोशलिस्ट एकता की दिशा में प्रयास कर रहे है. आशा है कुछ अच्छा परिनाम निकल आयेगा.

अन्य राज्यों में पार्टी के कार्यकर्ता हरसंभव जनता को सहायता पहूचाने का काम करते होंगे. दिल्ली के अध्यक्ष सयय्द तहसीम ने अपने प्रयासों की जानकारी दी है.

किसान आंदोलन

गत नवंबर से शुरू हुआ किसान आंदोलन अब भी जारी है. दिल्ली की सिंघु तथा हाजीपूर सीमाओं पर किसान भाई–बहन मोर्चे लगाकर बैठे है. सरकार अपनी हटवादीता जारी रख रही है. देश के मजदूर संघटनों ने चार नये लेबर कोडे के खिलाफ कई जगह प्रदर्शन किसे उनकी भी अनदेसी मोदी सरकार कर रही है.

सत्ताधीशों के खिलाफ जनता में गुस्सा है. उन्हें विकल्प की खोज है. अन्य विरोधी दल क्रियाशील होगें ही हम सोशलिस्टों को चाहिए की नये युवा साथी जोडते रहे. कार्यकर्ताओंकी श्रृंखला मजबूत बनाने के लिए हरसंभव प्रयास करते रहना चाहिए.

इस्त्रायल–पॅलेस्टीन संघर्ष

उधर पश्चिम आशिया मे पॅलेस्टीन इस्त्रायल संघर्ष फिर थथके उठा था. वास्तवमे १९४८ मे इस्त्रायल को जो सीमा बांध दी गयी उसके बाहर गाझा पटट्रीमे वह देश लगातार घुसखोरी कर रहा है. पक्की मकानोंकी कॉलोनीया खडा कर रहा है. पॅलेस्टिनी जनता का एक हमास नामके ग्रुप शस्त्रोंकी सहायता से इस्त्रायल पर हमले कर रहा है. उन्हे हाथियार नही उठाने चाहिये. दुनिया के अन्य देश खास कर अमेरिका को चाहिये. की वे इस्त्रायल को संयम बरतनेको मजबूर करे तथा इस्त्रायल–पॅलेस्टीन समझौता हो इस दिशा मे प्रयास करे.

नेपाल की जन तांत्रिक कवायद

दुसरा पडोसी देश नेपाल मे संविधानिक संकट गहराया था. पूर्व प्रधानमंत्री के.पी. ओली शर्मा ने अचानक संसद भंग करके मध्यावधी चुनाव करानेकी घोषणा की. मामला सर्वोच्च न्यायालयमे पहुंचा. ओली शर्माजी का फैसला गैरकानूनी घोषित करके सर्वोच्च न्यायालयने संसदको पुनर्जीवित किया. वहांके तीन प्रमुख राजनितीक दल माओवादी, नेपाली कॉंग्रेस तथा कम्युनिस्ट पार्टी इनमे नयी सरकार गठित करने की दिशामे विचारविमर्श हुआ. लेकिन असफल रहा. अब वहॉं की राष्ट्रपतीने संसद भंग करके चुनाव कराने की घोषणा की है. जनतांत्रिक ढाचेने रहकर स्थिरता प्रदान करनेवाली सरकार का गठन करना मुश्किल काम है. उन सभीको इस बातपर जरूर बधाई देनी होगी की किसीने भी संविधान को नकारनेका या सशस्त्र तरीका अपनाने का कदम नही उठाया. अपनी सुझबुझसे वहा की जनता तथा राजनयिक संतोषजनक फैसला ले पायेंगे ऐसी शुभकामना.

सोशलिस्ट पार्टी इंडीया की नॅशनल कौन्सिल का सम्मेलन सितंबर में वर्धा (महाराष्ट्र) में लेने का सोचा है. उचित समय पर सुचना भेजी जायेगी. संपर्क करते रहिये.

सस्नेह

ता. २२ /५/ २१

पन्नालाल सुराणा